



# NEWSLETTER

शनिवार, 3 जून 2023 | वॉल्यूम - 48



**पंजाब में कपास की बुवाई का लक्ष्य हासिल करने में असफल**

**TOP 5 NEWS OF THE WEEK**



**GOLD : 59587  
SILVER : 71973  
CRUD OIL : 5918**

श्री नरेंद्र जी चोपड़ा कॉटन ब्रोकर, उज्जैन, द्वारा SIS न्यूज टीम की वरिष्ठ सदस्या माधुरी डहाके को दिए साक्षात्कार में अपनी फर्म की कार्यशैली विवरण का निम्न प्रकार उल्लेख किया।

उन्होंने बताया की श्री गणेश फाइबर्स इंडिया राँ कॉटन एक्सपोर्ट्स एंड सप्लायर ऑफ प्रीमियम इंडियन राँ कॉटन.. ग्राहकों को पूरी तरह से संतुष्ट करते हुए, कंपनी मजबूत व्यापार नेटवर्क पर जोर देती है और पूरी दुनिया में ग्राहकों द्वारा आवश्यक विशिष्टताओं में गुणवत्ता वाले कपास और कपास अपशिष्ट उत्पादों की आपूर्ति करती है...



## कॉटन व्यापार की बारीकियां

**श्री नरेंद्र चोपड़ा**

श्री गणेश फाइबर  
कॉटन ब्रोकर, उज्जैन, (मप्र)

आगे बताया की हम भारतीय कच्चा कपास और कपास अपशिष्ट सभी प्रकार के भारतीय कच्चे कपास के निर्यातक हैं। भारत में कपास की सभी प्रजातियों को उगाने का लाभ है यानी छोटे स्टेपल 20 मिमी और उससे कम, मध्यम स्टेपल (20.5 से 24.5 मिमी), मध्यम लंबा (25.0 से 27.0 मिमी), लंबा (27.5 से 32.0 मिमी) और अतिरिक्त लंबे स्टेपल कॉटन (32.5) मिमी और ऊपर) भारत बड़ी संख्या में किस्मों और संकरों का उत्पादन करता है, खेती में किस्मों की संख्या पचहत्तर से अधिक है। हालांकि, उत्पादन में 98 प्रतिशत का योगदान लगभग 25 किस्मों का है। उन्होंने बताया की वह भारत में, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना और मध्य प्रदेश राज्य प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में काम करते हैं। इन राज्यों में मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय आर्द्र और शुष्क जलवायु है। वहाँ कॉटन की वैराइटी शंकर-6, MECH-1, MCU-5, J34, बंगाल देसी, V797, Y1, कपास अपशिष्ट, FLAT, COMBER, DROPING, LICKRING, रीसायकल कपास, आदि सबमे डील करते हैं।

श्री गणेश फाइबर कपास और कपास अपशिष्ट उत्पादों, सूती धागे और भारतीय कच्चे कपास का सबसे बड़ा आयात और निर्यातक है, जो रूस, जर्मनी, इटली, ताइवान, चीन, वियतनाम, पुर्तगाल, नेपाल, बांग्लादेश आदि को निर्यात करता है। हम इसे सभी अंतरराष्ट्रीय निर्यात करते हैं। गुणवत्ता मानक और अनुपालन। हम प्रसिद्ध कताई मिलों से कपास के कचरे की सोर्सिंग कर रहे हैं और प्रदूषण मुक्त कचरे का उत्पादन करने के लिए उच्च तकनीक कारखाने में सख्त गुणवत्ता नियंत्रण के साथ विभिन्न प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हमारे कपास अपशिष्ट उत्पादों के संवहन और संवादी उद्योगों में विभिन्न अनुप्रयोग हैं।

इसी तारतममे गुणवत्ता, शुद्धता और दीर्घायु के साथ-साथ रिसाइकिल करने योग्य प्रकृति वाले उत्पादों की पेशकश करते हैं। ग्राहकों को पूरी तरह से संतुष्ट करते हुए, कंपनी मजबूत व्यापार नेटवर्क पर जोर देती है और पूरी दुनिया में ग्राहकों द्वारा आवश्यक विशिष्टताओं में गुणवत्ता वाले कपास अपशिष्ट उत्पादों की आपूर्ति करती है। इसके अतिरिक्त ग्राहकों की आवश्यकताओं के साथ कई देशों में गुणवत्ता वाले कपास अपशिष्ट उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। हम थ्रेड वेस्ट, रीविंग वेस्ट, ड्रॉपिंग, एफएस फ्लैट, येलो कॉटन, लाइक्रिन, रीसायकल कॉटन ए / बी ग्रेड में काम कर रहे हैं।

**दृष्टि**

उत्पादों को सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ निर्यात करने के लिए, ग्राहक केंद्रित होने के लिए, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, अधिकांश विकसित और विकासशील देशों में प्रौद्योगिकी के माध्यम से उन्नति।

**मान**

"सभी के लिए उचित" के साथ, हम अपने पर्यावरण और समुदाय को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ कार्य आदत को बढ़ावा देने के लिए ग्राहकों को खुशी प्रदान करने और सुरक्षित कार्यस्थल बनाने का प्रयास करते हैं।

**उद्देश्य**

उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्यात करना जो हमारे ग्राहकों को हमारी टीम की दक्षता, अखंडता और ईमानदारी के उच्चतम स्तर के साथ लागत प्रभावशीलता और संतुष्टि के साथ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करते हैं।

GET IMPORT AND EXPORT DATA OF

CHAPTER - 52, 54, 55 & 61

(COTTON, COTTON WASTE, YARN, POLYSTER, VISCOSE, DENIM AND OTHER TEXTILE GOODS)

DATA AVAILABLE FOR

MARCH 2023

For More Information Contact Us - +91 - 9111677775



## आपके विचारों की कहानी SIS की जुबानी

एसआईएस साप्ताहिक स्तर पर न्यूजलेटर एवम मासिक पत्रिका लगभग गत एक वर्ष से निरंतर ऑनलाइन प्रेषित कर रहा है, जिसके माध्यम से देश विदेश की टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी प्रतिष्ठित विभूतियों के साक्षात्कार विचार एवं सुझाव और समस्या आदि प्रकाशित की जा रही है. कपड़ा उद्योग की स्थिति में सुधार के लिए इच्छुक गणमान्य व्यक्तियों को उनके विचारों या चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. सम्बन्धित सज्जन इस संदर्भ में संपर्क करें जिससे हम आपके सुझाव उचित प्लेटफॉर्म/सक्षम अधिकारी तक पहुंचा सकें.



CONTACT US:  
+91 - 91116 77775

## शेयर मार्केट निवेशकों के लिए यह सप्ताह तेजी वाला रहा.

### 29 मई से 02 जून 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर-

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह तेजी वाला रहा. इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया. आइए जानते हैं बीएसई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉर्मेंस।

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	338.85	339.55	318	5.50%
अरविद लिमिटेड	126.25	130.5	117.55	4.34%
वेलसपन इंडिया	96.47	99.39	87.52	4.86%
नितिन स्पिनर्स	252.95	272.85	248.05	-5.51%
रेमण्ड	1574.65	1598.8	1540.95	2.19%
अक्षिता कॉटन	29.98	32.4	26.4	10.10%

## कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES  
CALL : 91119 77771 - 5  
WEEKLY CHART 03.06.2023

ICE COTTON			
MONTH	26.05.23	2.06.23	WEEKLY CHANGE
JULY	83.35	86.05	2.7
DEC	80.54	81.85	1.31
MARCH	80.66	81.65	0.99
MCX (COTTON)			
JUNE	58140	60180	2040
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1489	1548	59
NCDEX (COCUD KHAL)			
JUNE	2488	2625	137
JULY	2517	2653	136
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	82.58	82.30	-0.28
PAK (Pakistani Rupee)	285.239	285.622	0.383
CNY (Chinese yuan)	7.0647	7.08399	0.01929
BRAZIL (Real)	4.99432	4.9593	-0.03502
AUSTRALIAN Dollar	1.53403	1.51035	-0.02368
MALAYSIAN RINGGITS	4.60029	4.57798	-0.02231
COTLOOK "A" INDEX	90.65	96.65	6
BRAZIL COTTON INDEX	81.28	82	0.72
USDA SPOT RATE	79.42	81.8	2.38
MCX SPOT RATE	56260	58340	2080
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0
GOLD (\$)	1946.1	1964.3	18.2
SILVER (\$)	23.445	23.695	0.25
CRUDE (\$)	72.87	71.87	-1

जून माह के पहले सप्ताह में कॉटन के इंटरनेशनल मार्केट में बढ़त नजर आयी। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई 23, दिसंबर 23 और मार्च 24 माह के लिए कॉटन के भाव 2.70, 1.31 और 0.99 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। जून माह के सौदा भाव में 2,040 रूपए प्रति कैंडी बढ़ कर 60,180 रूपए पहुंचे।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी 59 रूपए प्रति 20 किलो तक की बढ़त देखी गई वही खल के भाव में जून और जुलाई माह के लिए क्रमशः 137 और 136 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़ती हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 6.00 अंक की तेजी आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.72 की बढ़त वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 2,080 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 2.38 की तेजी देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहांत तक मार्केट स्थिर रहा।

# पंजाब में कपास की बुवाई का लक्ष्य हासिल करने में असफल

खराब मौसम और धान की तुलना में कम लाभ कमाने वाले किसानों के कारण राज्य कपास की फसल के तहत 3 लाख हेक्टेयर लाने के लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा है। कपास की फसल मुख्य रूप से फाजिल्का, बठिंडा, मनसा और मुक्तसर जिलों में बोई जाती है।

31 मई तक (बुआई का मौसम समाप्त) लगभग 1.75 लाख हेक्टेयर (लक्ष्य का 58 प्रतिशत) पर फसल बोई जा चुकी थी। पिछले साल 4 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 2.48 लाख हेक्टेयर में फसल बोई गई थी।

कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'शुरुआत में कपास की बुवाई की आखिरी तारीख 20 मई तय की गई थी। बाद में इसे बढ़ाकर 31 मई तक कर दिया गया। इस साल करीब 1.75 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती हो रही है। फाजिल्का इकलौता जिला है जिसने बेहतर प्रदर्शन किया है।'

फाजिल्का के मुख्य कृषि अधिकारी जांगिड़ सिंह ने कहा, "कपास की फसल के अंतर्गत आने वाला आधे से अधिक क्षेत्र फाजिल्का जिले में है। जिले में 1.5 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 90,850 हेक्टेयर में कपास की फसल बोई गई है। किसानों को नहर का पानी समय पर उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा, 'इस साल कपास के बीज पर 33 फीसदी सब्सिडी से भी हमें मदद मिली। हालांकि मौसम ने खेल बिगाड़ दिया, लेकिन हम कपास की फसल के तहत अधिकतम क्षेत्र लाए।"

किसानों ने कहा कि हालांकि कपास को पिछले साल अपने न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक कीमत मिली थी, लेकिन सफेद मक्खी और गुलाबी बॉलवॉर्म के हमले के कारण उन्होंने इसे नहीं बोया था।

कपास उत्पादक, गुरदीप सिंह ने कहा, "अधिकांश किसानों को नवीनतम क्षति नियंत्रण विधियों के बारे में जानकारी नहीं है। मौसम प्रतिकूल है और कुछ किसानों ने फिर से फसल बो दी है। इनपुट लागत कई गुना बढ़ गई है।"

मुक्तसर के मुख्य कृषि अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने कहा, मुक्तसर जिले में 50,000 हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 20,000 हेक्टेयर में कपास की बुवाई की गई है। इसके पीछे बारिश और कीड़ों के हमले सहित कई कारक हैं।"

उन्होंने कहा, "किसान धान की फसल की अधिक उपज और देर से बोई जाने वाली किस्मों के कारण इसका विकल्प चुन रहे हैं। पिछले साल, कपास की प्रति एकड़ औसत उपज चार से छह क्विंटल प्रति एकड़ रही और कीमत 7,500 रुपये से 8,000 रुपये प्रति क्विंटल तक रही। हालांकि, धान की उपज 30 क्विंटल प्रति एकड़ तक पहुंच गई और एमएसपी 2,060 रुपये प्रति क्विंटल था।

# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### तमिलनाडु कपड़ा मिलों की गुहार

कपड़ा उद्योग में हाई टेंशन (एचटी) बिजली उपभोक्ताओं ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तमिलनाडु विद्युत नियामक आयोग (टीएनईआरसी) को निर्देश जारी करने के लिए निवेदन किया की ताकि वह मासिक अधिकतम मांग (एमडी) शुल्क के रूप में बिल योग्य मांग या रिकॉर्ड की गई मांग का 20% संग्रह करने की अनुमति दे।

### बीज उद्योग को इस मौसम में कुछ ब्रांडेड बीटी कपास की कम आपूर्ति की उम्मीद है

विक्रेताओं ने कहा कि आगामी खरीफ सीजन में कपास का रकबा पिछले साल की तुलना में अधिक होने की संभावना है, बीटी कॉटनसीड बाजार में ब्रांडेड हाइब्रिड की आपूर्ति कम हो रही है, मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण क्षेत्रों में, क्योंकि पिछले साल अधिक बारिश के कारण बीज उत्पादन प्रभावित हुआ था।

### कपास पर 11% आयात कर से छूट की अपील : साइमा

सदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन और तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन ने श्री स्टालिन को सौंपे गए अलग-अलग ज्ञापन में कहा गया है कि विद्युत अधिनियम की धारा 108 लागू करनी चाहिए। 90% के स्तर पर मांग शुल्क का दावा करने के बजाय उनकी स्वीकृत मांग का% या अकेले दर्ज की गई मांग तक।

### भारत में मानसून 11 दिनों तक रुकने के बाद कई हिस्सों में आगे बढ़ा।

मौसम विभाग ने मंगलवार को कहा कि भारत के मानसून की बारिश पिछले 11 दिनों से दूर-दराज के द्वीप पर रुकने के बाद दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में पहुंच गई है।

### ZCE कपास की सीमा को बढ़ाया, क्या है कारण ?

1 जून को, ZCE प्रमुख कपास अनुबंध, सितंबर अनुबंध, 900 युआन/एमटी से अधिक बढ़ गया, और सितंबर और जनवरी अनुबंधों के बीच का फैलाव अप्रत्याशित रूप से तेजी से कम हो गया। सितंबर अनुबंध का उदय स्पष्ट रूप से जनवरी अनुबंध की तुलना में अधिक था।

### कॉटन फिजिकल मार्केट में तेजी बरकरार

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में बढ़त देखी गई। नार्थ झोन पंजाब में 50, हरियाणा में 50 और अपर राजस्थान में 25 रूपए प्रति मंड तक दाम बढ़े।

सेंट्रल झोन महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 1,500 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली। जबकि गुजरात में 700 और मध्य प्रदेश में 1000 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम बढ़े हैं।

साउथ झोन में भी गिरावट का रूख जारी रहा। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 2,000 रूपए प्रति कैंडी तक की तेजी आई है जबकि तेलंगाना में 1,200 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम बढ़े। ओडिशा पिछले सप्ताह के मुकाबले स्थिर रहा।

STATE		29.05.23		03.06.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	5,800	5,900	5,850	5,950	50
HARYANA	27.5/28	5,700	5,800	5,750	5,850	50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,175	6,100	6,200	25
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	57,500	57,800	57,700	58,500	700
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	57,500	58,000	1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	57,500	58,000	59,000	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5	59,800	60,000	59,700	60,000	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	56,000	56,500	58,000	58,500	2,000
TELANGANA	29 mm 75 RD	56,800	57,300	58,000	58,500	1,200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 03.06.2023

### WEEKLY COTTON BALES MARKET



# NEWSLETTER

Saturday, 3 June 2023 | Volume - 48



## Punjab Fails to Meet Cotton Sowing Target

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



GOLD : 59587  
SILVER : 71973  
CRUD OIL : 5918

*Shri Narendra ji Chopda Cotton Broker, Ujjain, in the interview given to Madhuri Dahke, senior member of SIS News team, mentioned the following details of his firm's working style.*

*He informed that Shree Ganesh Fibers India Raw Cotton Exporters and Supplier of Premium Indian Raw Cotton is supposed to completely satisfy the customers, the company lays emphasis on strong business network and provides quality cotton and cotton in the specifications required by the customers all over the world.*



## Specifics of Cotton Trade

**Mr. Narendra Chopra**  
Shree Ganesh Fiber  
Cotton Broker, Ujjain, (M.P.)

Further stated that we are exporter of Indian Raw Cotton and Cotton Waste of all types of Indian Raw Cotton. India has the advantage of growing all species of cotton i.e. short staple 20 mm and less, medium staple (20.5 to 24.5 mm), medium long (25.0 to 27.0 mm), long (27.5 to 32.0 mm) and extra long staple cotton (32.5 mm and above) India produces a large number of cultivars and hybrids, the number of varieties in cultivation is over seventy-five. However, around 25 varieties account for 98 per cent of the production. He told that he works in major cotton producing states of Gujarat, Maharashtra, Telangana and Madhya Pradesh in India. These states have a predominantly tropical wet and dry climate. Deals in variety of cotton Shankar-6, Make 1, MCU-5, J34, Bengal Desi, V797, Y1, cotton waste, flat, comber, dropping, leckring, recycle cotton, etc.

Shree Ganesh Fibers is the largest importer and exporter of cotton and cotton waste products, cotton yarn and Indian raw cotton, exporting to Russia, Germany, Italy, Taiwan, China, Vietnam, Portugal, Nepal, Bangladesh etc. We export it all international with Quality Standards and Compliance. We are sourcing cotton waste from renowned spinning mills and going through various process with strict quality control in hi-tech factory to produce pollution free waste. Our cotton waste products have various applications in the conveyance and conveyance industries.

At the same time, we offer products with the same quality, purity and longevity as well as recyclable nature. Satisfying the clients to the fullest, the company emphasizes on strong business network and supplying quality cotton waste products in specifications required by the clients all over the world.

Additionally exporting quality cotton waste products to many countries as per the requirements of the clients. We are dealing in Thread Waste, Roving Waste, Dropping, FS Flat, Yellow Cotton, Lickrine, Recycle Cotton A/B Grade.

### Vision

To export products with all international standards, to be customer centric, global competitiveness, advancement through technology in most developed and developing countries.

### Value

With "Fair for All", we strive to create happy and safe workplaces for our customers while promoting healthy work habits that take into account our environment and community.

### Objective

Exporting excellent quality products that provide competitive advantage to our customers with cost effectiveness and satisfaction with the highest level of efficiency, integrity and honesty of our team.

GET IMPORT AND EXPORT DATA OF

CHAPTER - 52, 54, 55 & 61

(COTTON, COTTON WASTE, YARN, POLYSTER, VISCOSE, DENIM AND OTHER TEXTILE GOODS)

DATA AVAILABLE FOR

MARCH 2023

For More Information Contact Us - +91 - 9111677775



## आपके विचारों की कहानी SIS की जुबानी

एसआईएस साप्ताहिक स्तर पर न्यूजलेटर एवम मासिक पत्रिका लगभग गत एक वर्ष से निरंतर ऑनलाइन प्रेषित कर रहा है. जिसके माध्यम से देश विदेश की टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी प्रतिष्ठित विभूतियों के साक्षात्कार विचार एवम सुझाव और समस्या आदि प्रकाशित की जा रही है. कपड़ा उद्योग की स्थिति में सुधार के लिए इच्छुक गणमान्य व्यक्तियों को उनके विचारों या चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. सम्बन्धित सज्जन इस संदर्भ में संपर्क करें जिससे हम आपके सुझाव उचित प्लेटफॉर्म/सक्षम अधिकारी तक पहुंचा सके.



**CONTACT US:**  
+91 - 91116 77775



## This week was a fast one for stock market investors.

### News based on the share value of major textile companies between 29 May to 02 June 2023-

This week was a fast one for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies increased while the market cap of some fell down as compared to last week. Let's know how the major company's performance was on the platform of BSE.

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	338.85	339.55	318	5.50%
ARVIND LIMITED	126.25	130.5	117.55	4.34%
WELSPUN INDIA	96.47	99.39	87.52	4.86%
NITIN SPINNERS	252.95	272.85	248.05	-5.51%
RAYMOND	1574.65	1598.8	1540.95	2.19%
AXITA COTTON	29.98	32.4	26.4	10.10%

## A look at the weekly movement of the cotton market

### SMART INFO SERVICES

**CALL : 91119 77771 - 5**

WEEKLY CHART 03.06.2023

#### ICE COTTON

MONTH	26.05.23	2.06.23	WEEKLY CHANGE
JULY	83.35	86.05	2.7
DEC	80.54	81.85	1.31
MARCH	80.66	81.65	0.99

#### MCX (COTTON)

JUNE	58140	60180	2040
------	-------	-------	------

#### NCDEX (KAPAS)

APRIL	1489	1548	59
-------	------	------	----

#### NCDEX (COCUD KHAL)

JUNE	2488	2625	137
JULY	2517	2653	136

#### CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	82.58	82.30	-0.28
PAK (Pakistani Rupee)	285.239	285.622	0.383
CNY (Chinese yuan)	7.0647	7.08399	0.01929
BRAZIL (Real)	4.99432	4.9593	-0.03502
AUSTRALIAN Dollar	1.53403	1.51035	-0.02368
MALAYSIAN RINGGITS	4.60029	4.57798	-0.02231

COTLOOK "A" INDEX	90.65	96.65	6
BRAZIL COTTON INDEX	81.28	82	0.72
USDA SPOT RATE	79.42	81.8	2.38
MCX SPOT RATE	56260	58340	2080
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0
GOLD (\$)	1946.1	1964.3	18.2
SILVER (\$)	23.445	23.695	0.25
CRUDE (\$)	72.87	71.87	-1

In the first week of June, there was an increase in the international cotton market. Cotton prices for the months of July 23, December 23 and March 24 at the International Cotton Exchange rose by 2.70, 1.31 and 0.99 cents.

Cotton prices also declined on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal price for the month of June increased by Rs 2,040 per candy to Rs 60,180.

Cotton prices on NCDX also saw an increase of up to Rs.59 per 20 kg, while the prices of Khal were increased by Rs.137 and Rs.136 per quintal respectively for the month of June and July.

Looking at the exchange market of other countries, there was a gain of 6.00 points on the Cotlook "A" index, a gain of 0.72 points on the Brazilian Cotton Index, and a gain of 2,080 points on the MCX spot rate. With this, there has been a rise of 2.38 on the USDA spot rate. The market remained stable till the end of the week on Pakistan's KCA spot rate.



# Punjab Fails to Meet Cotton Sowing Target

The state has failed to achieve the target of bringing 3 lakh hectares under the cotton crop due to inclement weather and farmers earning less profit than paddy. The cotton crop is mainly sown in Fazilka, Bathinda, Mansa and Muktsar districts.

By May 31 (sowing season ended), the crop was sown on around 1.75 lakh hectares (58 per cent of the target). Last year, the crop was sown on 2.48 lakh hectares against the target of 4 lakh hectares. A senior official in the Agriculture Department said, "Initially, May 20 was decided as the last date for sowing cotton. Later, it was extended to May 31. Around 1.75 lakh hectares are under the cotton cultivation this year. Fazilka is the only district which has performed better."

Fazilka Chief Agriculture Officer Jangir Singh said, "More than half of the area brought under the cotton crop is in Fazilka district. The cotton crop has been sown on 90,850 hectares against the target of 1.5 lakh hectares in the district. The canal water was made available to farmers on time."

He said, "Even 33 per cent subsidy on the cotton seeds helped us this year. Though the weather played spoilsport, we brought maximum area under the cotton crop."

Farmers said though cotton fetched a higher price than its minimum support price last year, they hadn't sown it due to the whitefly and pink bollworm attack.

Gurdeep Singh, a cotton grower, said, "A majority of the farmers are not aware of the latest damage control methods. The weather is unfavourable and some farmers have resown the crop. The input costs have increased manifold."

Gurpreet Singh, Chief Agriculture Officer, Muktsar, said, "The cotton is sown on nearly 20,000 hectares against the target of 50,000 hectares in Muktsar district. Various factors, including rain, and the pest attacks are behind it."

He said, "Farmers are opting for the paddy crop due to its high yield and late sown varieties. Last year, the average cotton yield per acre remained four to six quintal per acre and the price varied from Rs 7,500 to Rs 8,000 per quintal. However, the paddy yield touched 30 quintal per acre and the MSP was Rs 2,060 per quintal."

# TOP 5

# NEWS OF THE WEEK

## Plea of Tamil Nadu textile mills

High tension (HT) power consumers in the textile industry have urged Chief Minister M.K. Stalin requested the Tamil Nadu Electricity Regulatory Commission (TNERC) to issue directions allowing it to collect 20% of the billable demand or recorded demand as monthly Maximum Demand (MD) charges.

## Seed industry expects short supply of some branded Bt cotton this season

While cotton acreage in the upcoming kharif season is likely to be higher than last year, sellers said the Bt cottonseed market is short on branded hybrid supplies, mainly in the central and south regions, because of excess rains last year. Due to which seed production was affected.

## Appeal for exemption from 11% import tax on cotton: Saima

The Southern India Mills Association and the Tamil Nadu Electricity Consumers Association, in separate memorandums submitted to Mr. Stalin, said that Section 108 of the Electricity Act should be invoked. % of their sanctioned demand instead of claiming demand fee at the level of 90% or up to the demand entered alone.

## Monsoon has advanced in many parts of India after a halt of 11 days.

India's monsoon rains have reached some more parts of southwest Bay of Bengal after stalling over the remote island for the last 11 days, the Meteorological Department said on Tuesday.

## ZCE increased the cotton limit, what is the reason?

On June 1, the ZCE flagship cotton contract, the September contract, soared above 900 yuan/MT, and the spread between the September and January contracts narrowed unexpectedly sharply. The rise of the September contract was clearly higher than that of the January contract.

## Cotton physical market continues to boom

It has been a bullish week for the cotton physical market. The rise in cotton prices was seen in all the three zones North, Central and South. 50 in North Zone Punjab, 50 in Haryana and Rs. 25 per Mand in Upper Rajasthan.

Maharashtra, the central zone, saw the highest increase of Rs 1,500 per candy. While the price of cotton has increased up to Rs 700 in Gujarat and Rs 1000 per candy in Madhya Pradesh.

The declining trend continued in South Zone as well. Karnataka saw the highest increase of up to Rs 2,000 per candy, while cotton prices rose up to Rs 1,200 per candy in Telangana. Odisha remained stable as compared to last week.

STATE		29.05.23		03.06.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	5,800	5,900	5,850	5,950	50
HARYANA	27.5/28	5,700	5,800	5,750	5,850	50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,175	6,100	6,200	25
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	57,500	57,800	57,700	58,500	700
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	57,500	58,000	1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	57,500	58,000	59,000	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5	59,800	60,000	59,700	60,000	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	56,000	56,500	58,000	58,500	2,000
TELANGANA	29 mm 75 RD	56,800	57,300	58,000	58,500	1,200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



**SMART INFO SERVICES**

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 03.06.2023

### WEEKLY COTTON BALES MARKET